दक्षिण पन्ना वनमण्डल में पहली बार एशियन वाटरबड्र्स सेंसस का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 4 जनवरी, दक्षिण पन्ना वनमण्डल में पहली बार दिनांक 3 एवं 4 जनवरी को एशियन वाटरबड्र्स सेंसस 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य जलपक्षियों की संख्या, प्रजातिगत विविधता तथा आर्द्रभूमियों की पारिस्थितिक स्थिति का आकलन करना है, जिससे संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध हो सके।

एशियन वाटरबड्र्स सेंसस 2026 के अंतर्गत दक्षिण पन्ना वनमण्डल में कुल 6 सर्वेक्षण दलों द्वारा कार्य किया गया, जिनमें लगभग 25 वन अधिकारी, वनकर्मी एवं वन समिति के अध्यक्ष/सदस्य शामिल रहे। इस दौरान वनमण्डल के अंतर्गत 29 प्रमुख जलाशयों एवं जल निकायों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान लगभग 50 विभिन्न प्रजातियों के जलपक्षियों की पहचान की गई तथा कुल मिलाकर लगभग 5400 पक्षियों की गणना दर्ज की गई। जलपक्षी वर्ग में लेसर व्हिसलिंग डक, रुडी शेलडक, नॉब-बिल्ड डक एवं कॉटन पिग्मी गूज प्रमुख रहे। उथले जल एवं किनारी क्षेत्रों में चलकर भोजन करने वाले पक्षियों में इंडियन पोंड हेरॉन, ग्रेट व्हाइट एग्रेट, ईस्टर्न कैटल एग्रेट, पेंटेड स्टॉर्क, ब्लैक स्टॉर्क, एशियन ओपनबिल, रेड-नैप्ड आइबिस एवं लेसर एडजुटेंट जैसी महत्वपूर्ण प्रजातियां देखी गईं। वेडर्स वर्ग में ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट, रेड-वॉटल्ड लैपविंग, लिटल रिंग्ड प्लोवर एवं कॉमन सैंडपाइपर प्रमुख रूप से पाए गए।

इस सम्पूर्ण दो दिवसीय सर्वेक्षण में पवई वनपरिक्षेत्र से रेंज ऑफिसर नितेश पटेल, वनरक्षक प्रकाश सिंह गोंड, सतेंद्र सिंह, पर्यावरण प्रेमी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर सागर सोनी; रैपुरा रेंज से वन परिक्षेत्र अधिकारी विवेक जैन, वनपाल रंजना नागर, वनरक्षक धीरेंद्र सिंह, रजनीश चैरसिया एवं प्रेमशंकर सिंह; सलेहा वनपरिक्षेत्र से रेंज ऑफिसर जीतू सिंह बघेल, पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता एवं पटना तमोली अध्यक्ष अजय चैरसिया, वनरक्षक मनोज चैरसिया एवं महेंद्र अग्रहरि; कल्दा रेंज से वनरक्षक वीरेंद्र पटेल, राहुल सिंह राय, राजेश धुर्वे एवं कृष्ण कुमार कोंदर; शाहनगर रेंज से वनरक्षक आशीष पांडे, उदयभान सिंह एवं प्रेमनारायण वर्मा; तथा मोहंद्रा रेंज से वनरक्षक संदीप राय, पुण्य प्रताप पटेल, अजय प्रताप सिंह एवं संतकुमार प्रजापति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं इस सर्वेक्षण को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साले घायल, दमोह रेफर

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 4 जनवरी, पन्ना-अमानगंज मुख्य सड़क मार्ग पर द्वारी ग्राम के पास रविवार की शाम 4.00 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साले गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे समाजसेवी सर्वेन्द्र यादव ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए दोनों घायलों को निजी वाहन से अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवकों की पहचान सुरेन्द्र पिता विनोद रैकवार (उम्र 20 वर्ष), निवासी पुरैना एवं जितेन्द्र पिता ओमप्रकाश (उम्र 24 वर्ष), निवासी हिंडोरिया के रूप में हुई है। दोनों एक ही बाइक पर सवार थे, तभी द्वारी ग्राम के पास पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अमानगंज स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

मझगवां शेख के मुख्य मार्ग पर नाली न होने से ग्राम में बह रहा गंदा पानी

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 4 जनवरी, गुनौर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बलगहा के मझगवां शेख मुख्य मार्ग पर नाली निर्माण न होने के कारण सड़क पर लगातार गंदा पानी बह रहा है। इससे राहगीरों एवं स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही गंदगी और बदबू से बीमारी फैलने की आशंका भी बनी हुई है।

इस समस्या को लेकर समाजसेवी एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अमानगंज आनंद सिंह राजपूत ने नाली निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की है। रविवार मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग पर जल निकासी की व्यवस्था न होने से सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है और आमजन को आवागमन में दिक्कत हो रही है। वहीं ग्राम पंचायत बलगहा के सरपंच इन्द्र सिंह यादव ने बताया कि समस्या को गंभीरता से लिया गया है और प्रस्ताव बनाकर शीघ्र ही नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द कार्य शुरू कराने की मांग करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है।

शासन के निर्देश के बावजूद रोजगार सहायकों का नहीं हुआ तबादला

नवभारत न्यूज

पन्ना 4 जनवरी, ग्राम पंचायतो में तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ ग्राम रोजगार सहायकों का तबादला जिले के अंदर किसी भी ग्राम पंचायत में किया जा सकता है। तबादले के संबंध में इस तरह के दिशा निर्देश अक्टूबर 2023 में जारी किये गये थे। जहां जिले में पदस्थ कुल रोजगार सहायकों की संख्या का अधिकतम 10 प्रतिशत तबादला प्रतिवर्ष किया जा सकता था। किन्तु इस आदेश का पालन इस जिले में आज तक नहीं हो पाया। कई रोजगार सहायकों को वर्तमान में सचिवीय प्रभार भी मिला हुआ है।

लिहाजा वे एक साथ दो पदों की जिम्मेदारियों का निर्वहन भी कर रहे हैं। जबकि इस तरह के प्रभार को लेकर कोई आदेश नहीं है। बावजूद इसके एक तरफ पंचायत सचिवों का तबादला भी होता रहता है किन्तु रोजगार सहायकों कातबादला दिशा निर्देश जारी होने के बाद भी नहीं किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में जहां विवाद की स्थितियां हैं उसके पीछे एक बड़ा कारण सचिव व जीआरएस के बीच का विवाद भी है। यदि उसमें सरपंच भी शामिल हो गया तो यह विवाद त्रिकोणीय हो जाता है।

रोजगार सहायकों के तबादले की निर्धारित प्रक्रिया का तरीका:- जारी दिशा निर्देशों के अनुसार तीन वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर रोजगार सहायक का तबादला किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में उसका प्रथम ग्राम पंचायत में साथ अनुबंध समाप्त हो जायेगा। इसके साथ ही उसे नवीन ग्राम पंचायत के साथ नवीन अनुबंध निष्पादित करना होगा। जीआरएस का तबादला जिले की भीतर कलेक्टर की अनुमति से किया जायेगा। प्रकरण में गुण-दोष का मूल्यांकन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा किया जायेगा तथा कलेक्टर के अनुमोदन के उपरान्त स्थान परिवर्तन संबंधी आदेश सीईओ जिला पंचायत द्वारा जारी किया जायेगा। संबंधित पंचायतों को ऐसे आदेश की सूचना दी जायेगी। जारी आदेश का पालन सात दिवस के भीतर करना होगा और नवीन पंचायत में उपस्थिति देनी होगी। तबादला आदेश जारी होने के तीन दिवस के भीतर अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, मुय कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनरेगा को कार्यमुक्त करना होगा।

दो वर्ष तक तबादला नहीं:- दिशा निर्देश मे कहा गया है कि ग्राम रोजगार सहायक का एक बार स्थान परिवर्तन याने तबादला होने के बाद नवीन अनुबंध होने पर कम से कम दो वर्ष की अवधित तक पुनः स्थान परिवर्तन नहीं किया जायेगा। दिव्यांगता, गंभीर बीमारी,परित्यक्ता, विधवा अथवा युक्तियुक्त प्रशासनिक कारण के आधार पर सीईओ जिला पंचायत प्रशासनिक आधार पर किसी भी समय कलेक्टर के अनुमोदन पश्चात तबादला आदेश जारी कर सकते हैं। यदि किसी ग्राम रोजगार सहायक का रिश्तेदार उसी ग्राम पंचायत का सरपंच निर्वाचित होता है तो ऐसी स्थिति में उस ग्राम रोजगार सहायक का स्थान परिवर्तन अनिवार्य रूप से किया जायेगा।

दिशा निर्देश के बावजूद भी यों नहीं हुये प्रस्ताव?:- अब सवाल यह है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा करीब डेढ़ वर्ष पूर्व जारी दिशा निर्देशों के बावजूद अभी तक तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ रोजगार सहायकों के तबादले क्यों नहीं किये गये? 2023 के बाद 2024 भी बीत चुका है और अब 2025 भी समाप्त हो गया है। प्रकरण में गुण-दोष का मूल्यांकन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा किया जायेगा तथा कलेक्टर के अनुमोदन के उपरान्त स्थान परिवर्तन संबंधी आदेश सीईओ जिला पंचायत द्वारा जारी किया जायेगा। संबंधित पंचायतों को ऐसे आदेश की सूचना दी जायेगी। जारी आदेश का पालन सात दिवस के भीतर करना होगा और नवीन पंचायत में उपस्थिति देनी होगी। तबादला आदेश जारी कर सकते हैं। यही कारण है कि पंचायतों में स्थानीय निवासी होने का लाभ लेते हुये रोजगार सहायक कई वर्षो से पदस्थ हैं। उन्हीं रोजगार सहायकों के चलते ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियां भी चैपट हो रही हैं।

दस प्रतिशत से अधिक तबादला आदेश नहीं

जिले में पतिवर्ष अधिकतम कितने तबादले हो सकते हैं। इस संबंध में बताया गया है कि जिले में पदस्थ कुल रोजगार सहायकों की कुल सख्ंया के 10 प्रतिशत से अधिकत तबादले नहीं हो सकते। यदि 10 प्रतिशत से अधिक रोजगार सहायकों के तबादले करने की आवश्यकता होती है तो राज्य शासन से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। किन्तु राज्य शासन केवल संख्या में छूट दे सकती है, स्थान परिवर्तन के प्रस्ताव का अनुमोदन अपेक्षित नहीं होगा।

उत्तर वन पन्ना में एशियन वॉटरबर्ड जनगणना आयोजित

▶ 113 प्रजातियों के 2841 पक्षी दर्ज

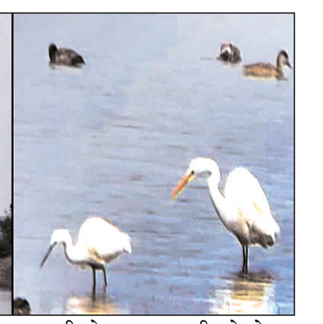

नवभारत न्यूज

पन्ना 4 जनवरी, उत्तर पन्ना वन मंडल में 3 एवं 4 जनवरी को एशियन वॉटरबर्ड सेंसस का सफल आयोजन डीएफओ उत्तर वन मंडल गर्वित गंगवार के दिशा निर्देशन मे अधीनस्थ वन अमले द्वारा किया गया। यह सर्वेक्षण सुबह 7 बजे से 10 बजे तक किया गया, जिसमें मंडल के अंतर्गत स्थित 20 प्रमुख जलाशयों को शामिल किया गया।

इस जनगणना में कुल 113 प्रजातियों के 2841 पक्षी दर्ज किए गए। उत्तर वन मंडल कार्यालय से हासिल जानकारी के अनुसार सर्वेक्षण के दौरान सबसे अधिक संख्या लेसर व्हिस्लिंग डक (336), रेड वॉटल्ड लैपविंग (175), रेड क्रेस्टेड पोचार्ड (150), लिटिल कॉर्मोरेंट (115) और लिटिल एग्रेट (102) की पाई गई। जलाशयों की बात करें तो देवपुर बांध (626 पक्षी) सर्वाधिक पक्षियों वाला जलाशय रहा, इसके बाद लोकपाल सागर (358), बहारी तालाब (300), मिनचिन सागर (215) एवं सिंह सागर (197) का स्थान रहा। वहीं कात्रा बंधा तालाब, अमरैया तालाब और बहादुरगंज तालाब में पक्षियों की संख्या अपेक्षाकृत कम दर्ज की गई।

वन विभाग व स्वयंसेवकों की रही अहम भूमिका:- इस एशियन वॉटरबर्ड जनगणना का संचालन वन विभाग के सहयोग से किया गया। पूरे सेंसस के लिए एसडीओ कृष्णा मरावी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। उनके साथ एसडीओ अंशुल तिवारी, रेंजर अधिकारी नितिन राजोरिया, रेंज अधिकारी अजय बाजपेयी, पंकज दुबे, वैभव सिंह एवं शुभम तिवारी ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त वन रक्षकों राणा भौमिक, संदीप चैहान, राम खगेश पटेल, देवेंद्र सिंह सहित अन्य वन कर्मियों ने भी सर्वेक्षण में सहभागिता की। वहीं स्वयंसेवकों के रूप में इंद्रभान बुंदेला, अरविंद जोशी एवं अनुभव खरे ने भी पक्षी गणना में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

जैव विविधता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, एशियन वॉटरबर्ड सेंसस से क्षेत्र की जैव विविधता, जलाशयों की स्थिति और प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति का महत्वपूर्ण आकलन होता है। यह आंकड़े भविष्य में संरक्षण योजनाओं एवं जल स्रोतों के प्रबंधन में सहायक सिद्ध होंगे।

डायमंड स्पोर्ट क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ, टीमों को दिये गये मेडल

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 4 जनवरी, नगर अमानगंज के स्टेडियम ग्राउंड में बीते 31 दिसंबर से चल रहे डायमंड क्रिकेट टूर्नामेंट का आज 4 जनवरी को समापन हुआ।

आज दिन रविवार को सभी वर्गों के फाइनल मैच खेले गए जिसमें बालिकाओं के जूनियर स्कूल में बुंदेलखंड पब्लिक स्कूल ने फाइनल मैच जीता तो, वहीं सीनियर में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज और डायमंड क्रिकेट अकादमी की संयुक्त रूप से बनी डायमंड ए और डायमंड बी टीमों के बीच आठ ओवर का मैच खेला गया जिसमें डायमंड बी ने रोमांचक मैच खेलते हुए जीत को अपने पाले में किया वही बॉयज टीमों में अजयगढ़ क्रिकेट अकादमी और पन्ना क्रिकेट अकादमी के बीच लेदर बॉल से शानदार 12 ओवर का मैच खेला गया जिसमें पन्ना क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सवा सौ रनों से अधिक का एक विशाल स्कोर खड़ा किया जिसका पीछा करते हुए अजयगढ़ टीम जल्द ही ऑल आउट हो गई और इस मैच में पन्ना क्रिकेट अकादमी को एक शानदार जीत हासिल हुई। फाइनल मैचों में जीत के बाद अंत में टूर्नामेंट के आयोजक डायमंड क्रिकेट अकादमी के हेड कोच शैलेंद्र तिवारी द्वारा मंच पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा विजेता और विजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार चंपत राय तिवारी, अमित द्विबेदी, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दीपक यादव, रामू सोनी, प्रेम नारायण शर्मा रविंद्र शर्मा सहित तमाम मीडिया तंत्र और खेल प्रेमियों की मौजूदगी रही।

बसंत पंचमी पर्व को लेकर मां सरस्वती मंदिर में हुई समिति की बैठक

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 4 जनवरी, बस स्टैंड अजयगढ़ में स्थित मां सरस्वती माता मंदिर में बसंत पंचमी के पर्व को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आलोक मार्को की उपस्थिति में समिति अध्यक्ष तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने समिति सदस्यों के साथ विचार विमर्श कर वसंत पंचमी मनाने में सभी सदस्यों के विचार जाने और समिति ने निर्णय लिया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष और भव्य तरीके से बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाए।

वसंत पंचमी पर्व पर सरस्वती माता मंदिर में मंदिर की पुताई रंग साज सज्जा एवं परंपरा के मुताबिक माता के वस्त्र झंडा बदल जाएगा एवं प्रांगण में हवन का आयोजन किया जाएगा कन्या भोज एवं दिनभर पात में बैठकर एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। समिति अध्यक्ष तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने मुसद्दी छेदीलाल रजक को निर्देशित किया कि 5 जनवरी से ही मंदिर की साज सज्जा पुताई रंग का कार्य प्रारंभ किया जाए एवं आवश्यक अन्य तैयारियां भी शीघ्र की जाए।

मां सरस्वती माता का मंदिर आसपास कहीं न होने के कारण बसंत पंचमी में दूर-दूर से लोग आकर सरस्वती मां के दर्शन करने पहुंचते हैं उत्तर प्रदेश की सीमा से लगी तहसील होने के कारण उत्तर प्रदेश के लोग भी मां सरस्वती माता के दर्शन करने के लिए वसंत पंचमी के दिन पहुंचते हैं वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती माता प्रांगण में भारी भीड़ रहती है एवं समिति द्वारा व्यवस्थित रूप से सारे दिन प्रसाद वितरण का कार्य किया जाता है समिति अध्यक्ष समिति सदस्य एवं नगर वासी सारे दिन मंदिर प्रांगण में रहकर व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करते हैं उक्त बैठक में आलोक कुमार को सुरेंद्र कुमार उपेंद्र सुल्लेरे शीलू श्रीवास्तव चंद्र मोहन गुप्ता वीरेंद्र जैन मुसद्दी छेदलाल रजक संतोष गोस्वामी सहित सदस्य उपस्थित रहे।

पन्ना विधानसभा में 'विधायक कप 2025' का भव्य आयोजन

▶ रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

नवभारत न्यूज

पन्ना 4 जनवरी, पन्ना विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में 'विधायक कप 2025' क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में पन्ना विधानसभा के विभिन्न गांवों और नगरों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट न केवल खेल भावना को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर भी प्रदान कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को टूर्नामेंट के अंतर्गत तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें बल्लेबाजों की आक्रामक पारियां, गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षकों की चुस्ती देखने को मिली। दर्शकों की भारी मौजूदगी ने मैदान का माहौल और भी उत्साहपूर्ण बना दिया।

आज खेले गये मैचों पर नजर

दिन का पहला मुकाबला पन्ना 1 और पन्ना 2 के बीच खेला गया। पन्ना 1 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 105 रन बनाए। टीम ने 5 विकेट से मुकाबला जीत लिया। दिन का दूसरा मैच पन्ना 3 और पन्ना 4 के बीच खेला गया, जो पूरे दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला साबित हुआ। जिसमें पन्ना 3 टीम ने जीत हासिल की। तीसरा मुकाबला बृजपुर 1 बनाम विरोधी टीम के बीच हुआ। जिसमें बृजपुर टीम ने 14 रन से मैच जीत लिया। आज के विभिन्न मैचो में मुख्य अतिथि के रूप मे पत्रकारगण, अधिवक्तागण एवं समाज सेवी शामिल रहे।

इटोरी भटवा गांव में शव यात्रा के दौरान मधुमक्खियों का हमला

▶ एक वृद्ध गंभीर, पन्ना रेफर

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 4 जनवरी, इटोरी भटवा गांव में शव यात्रा के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया।

इस हमले में दर्जन भर से अधिक लोग डंक की चपेट में आ गए। मधुमक्खियों के हमले में महंगाउआ पिता हक्कू, अहिरवार निवासी भटवा, गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद तत्काल अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर किया गया।

घटना के बाद शव यात्रा में शामिल लोगों में दहशत का माहौल रहा। यह घटना रविवार की शाम लगभग 4.00 बजे की बताई जा रही है।

नाम बदलने के बाद भी एमडीएम में पोषण मानक का नहीं हो रहा पालन

नवभारत न्यूज

पन्ना 4 जनवरी, भारत सरकार द्वारा आगनवाड़ी एवं प्राथमिक माध्यम शैक्षणिक संस्थाओं में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना याने माध्यान्ह भोजन उपलध करवाने के संबंध में दिशा निर्देश लागू किये गये है।

वर्ष 2025-26 के लिये पोषण का मानक क्या होना चाहिये और क्रियान्वयन किस तरह से किया जाना है इस मामले में स्पष्ट किया गया है। बावजूद इसके मेने के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं हो रहा हे। आगनवाड़ी केन्द्रों में कक्षा 1 के पूर्व की कक्षा में प्रवेश पाने वाले बच्चों को भी प्राथमिक स्तर के बच्चों के बराबर पोषण मानक निर्धारित किया गया है। 1 मई 2025 से यह व्यवस्था लागू की गई है। किन्तु जारी दिशा निर्देशों के अनुसार क्रियान्वयान नहीं हो पा रहा है।

पोषण मानक एवं लागत का निर्धारण आकंड़ों तक सीमित:- जारी दिशा निर्देशों के अनुसार प्राथमिक स्कूलों एवं आगनवाड़ी में कक्षा 1 से पूर्व की कक्षा वाले बच्चों के लिये मेनू के अनुसार प्रति बच्चे पर सरकार 6.78 पैसे खर्च कर रही है। जहां मानक के अनुसार भोजन में 450 कैलोरी एवं 12 ग्राम प्रोटीन की मात्रा होनी आवश्यक है। यहां तक कि रोटी एवं पूड़ी की मात्रा का भी निर्धारिण किया गया है। वहीं माध्यमिक स्तर के बच्चों पर सरकार 10.17 रूपये प्रति बच्चे के मान से राशि खर्च कर रही हे। माध्यमिक स्तर के बच्चों के भोजन में 700 कैलोरी एवं 20 ग्राम प्रोटीन होना आवश्यक है। किन्तु बताया जाता है कि सजी के नाम पर सबसे अधिक आलू का उपयोग किया जाता है। पूरे सप्ताह विविधता के साथ हरी एवं ताजी सब्जियों का उपयोग नहीं किया जाता।

अनियमितता पर नहीं होती कार्रवाई:- शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं नियमों में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी स्कूल या संस्था में भोजन की उपलधता में यदि अनियमितता की जाती है तो संबंधित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। लगातार यदि किसी भी स्कूल में तीन दिवस तक या महीने में पांच दिवस तक मध्यान्ह भोजन प्रदाय नहीं किया जाता तो संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा बालक की पात्रता के अनुसार उसे खाद्य सुरक्षा भत्ता दिया जायेगा। किन्तु इस आदेश का पालन कहीं भी होता दिखाई नहीं देता। कई स्कूलों में ऐसा पाया जाता है कि महीने में कई दिन भोजन प्रदाय नहीं होता किन्तु ऐसे मामलो में कोई कार्रवाई नहीं होती। बल्कि फर्जी भोजन प्रदाय की जानकारी तैयार कर राशि एवं खाद्यान्न की बचत कर ली जाती है। व्यवस्था को लेकर निर्देश कहा गया है कि जिन शालाओं में किन्हीं कारणां से स्व सहायता समूहों को माध्यान्ह भोजन वितरण कार्य से पृथक किया गया हो वहां उन शालाओं में आजीविका मिशन के समूहों से मध्यान्ह भोजन का वितरण करवाया जाय। बैंक खातों को लेकर भी विवाद चलते रहते है। भले ही निर्देश हों कि समूहों के प्रथम से खाते खोले जायं एवं पोर्टल मे अपडेट किया जाय किन्तु कई जगह खातों को लेकर भी खेल होता है। निर्देश है कि मिर्च मसाले एगमार्क ब्राण्ड के और गुणवत्तापूर्ण तथा सील बंद डिों वाले ही क्रय किये जांय। किन्तु कई जगह खुले मसालों व घटिया स्तर के तेल का उपयोग किया जाता है। डबल फोर्टीफाईड नमक के स्थान पर घटिया एवं सस्ते नमक का उपयोग किया जा रहा है। स्कूलों एवं संस्थाओं के रसोईघरों की दीवारो में भोजन का मीनू एवं समूह का नाम, सदस्यों का नाम, रसोईयों का नाम डाक्टर का नाम, फोन नम्बर व सीएम हेल्पलाईन 181 आदि विधिवत लिखा हुआ प्रदर्शित नहीं किया जाता।